मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 167, मुंबई, शनिवार, 6 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

सरकार के साथ बदले राणा दंपति के तेवर!

अदालत की कार्यवाही से हैं गायब

लगी फटकार

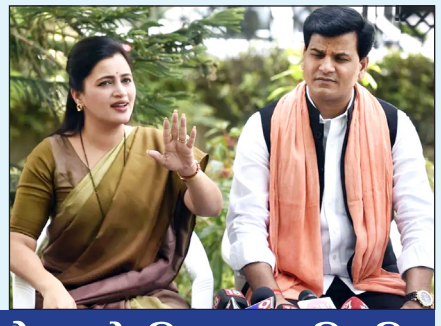

पब्लिक प्रोसिक्यूटर ने स्पेशल कोर्ट में सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा की जमानत रद्द करते हुए उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने की मांग की

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। हनुमान चालीसा पाठ से जुड़े मामले में अमरावती की सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा एक बार फिर मुश्किलों में घिर सकते हैं। राणा दंपति लगातार कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन कर रहे हैं। महाराष्ट्र में सरकार बदलते ही राणा दंपति का एटीट्यूड बिलकुल बदल गया है। कोर्ट ने उनसे कहा था कि उनपर चल रहे केस को लेकर वे मीडिया से बातचीत नहीं करेंगे। लेकिन राणा दंपति कोर्ट के निर्देशों को गंभीरता से नहीं ले रहे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

23 अप्रैल को अरेस्ट हुए थे राणा दंपत्ति,
14 दिनों बाद मिली थी जमानत

शिवसेना में होगा बड़ा फेरबदल!

आदित्य कार्याध्यक्ष तो तेजस ठाकरे संभालेंगे युवा सेना की कमान

मुंबई। शिवसेना में सीएम एकनाथ शिंदे गुट की बगावत के बाद एक बार फिर भारी फेरबदल की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं। आदित्य ठाकरे को शिवसेना का कार्याध्यक्ष बनाया जा सकता है और उनके भाई तेजस ठाकरे को भी सक्रिय राजनीति में उतारने की भूमिका तैयार की जा रही है। तेजस ठाकरे के हाथ शिवसेना की यूथ विंग यानी युवा सेना की कमान दी जा सकती है। इस वक्त शिवसेना का उद्धव गुट अपनी पार्टी के अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़ रहा है। ऐसे में आदित्य ठाकरे महाराष्ट्र भर का दौरा कर मुंबई लौटे हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

तेजस नाम के साथ ठाकरे जुड़ा होना शिवसेना मतदाताओं और कार्यकर्ताओं में एक आकर्षण रखता है। लेकिन तेजस ठाकरे खुद अब तक राजनीति से खुद को दूर ही रखते आए हैं। अब अगर वे सक्रिय राजनीति में उतरते हैं तो उनका ठाकरे होना शिवसेना को इस संकट की घड़ी में फिर से खड़ा करने में काम आएगा? शिवसेना के बड़े-बड़े नेता शिंदे गुट के साथ चले गए। ऐसे में शिवसेना के भीतर नया नेतृत्व तैयार करने में वे आदित्य ठाकरे को मदद कर पाएंगे? यह अहम सवाल है।

आदित्य को भावी नेता के तौर पर पेश करने की रणनीति

शिवसेना के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की यह मांग आदित्य ठाकरे को भावी नेता के तौर पर प्रोजेक्ट करने की ओर बढ़ाया गया कदम समझा जा रहा है। ऐसा समझा जा रहा है कि इस मकसद से जल्दी ही शिवसेना में फैसले लिए जाने वाले हैं। युवा सेना शिवसेना की यूथ विंग है। राज ठाकरे, आदित्य ठाकरे जैसे नेतृत्व युवा सेना से ही सामने आए हैं। इस तरह से तेजस ठाकरे को सक्रिय राजनीति में उतारने से पहले युवा सेना से बेस तैयार करने की तैयारी दिखाई दे रही है। इसलिए उन्हें युवासेना की कमान सौंपने की मांग की जा रही है।

संजय राउत ने साथ देने के लिए विपक्षी दलों को कहा शुक्रिया

बोले- रोने की बजाय लड़ना बेहतर

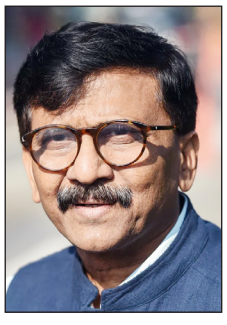

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। शिवसेना नेता और सांसद संजय राउत की गिरफ्तारी के बाद कई विपक्ष दलों ने उनके समर्थन में आवाज उठाई थी। अब राउत ने उन सभी दलों को धन्यवाद देते हुए पत्र लिखा है। राउत ने इस पत्र में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी), तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), आम आदमी पार्टी, DMK, CPI, CPIM समेत उन तमाम दलों को धन्यवाद दिया है, जिन्होंने उनके लिए आवाज उठाई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पुलिस ने धमकी देने के मामले में शिवसेना नेता केदार दिघे को भेजा समन

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस ने शिवसेना के ठाणे जिले के प्रमुख केदार दिघे को एक बलात्कार पीड़िता को धमकी देने के आरोप के मामले में तलब किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक महिला ने पिछले हफ्ते आरोप लगाया था कि दिल्ली के कारोबारी रोहित कपूर ने यहां एक पांच सितारा होटल में उससे दुष्कर्म किया। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि रोहित के दोस्त दिघे ने इस घटना के बारे में किसी से कुछ नहीं बताने की उसे धमकी दी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

जांच में बाधाएं

देश में जांच एजेंसियों को जिस तरह से काम करने से रोका जा रहा है, उसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। संघीय ढांचे के लिए भी यह एक बड़ा सवाल है कि एक प्रदेश की पुलिस या जांचकर्ताओं को दूसरे प्रदेश में जांच करने में आखिर क्यों परेशानी हो रही है? ताजा शिकायत के अनुसार, पश्चिम बंगाल सीआईडी ने दावा किया है कि नई दिल्ली और गुवाहाटी में उसकी दो टीमों को स्थानीय पुलिस ने रोका है। क्या झारखंड के तीन विधायकों से नकद जब्ती के संबंध में पश्चिम बंगाल के जांचकर्ताओं को जांच से वाकई रोका जा रहा है? यह वाकई अफसोसजनक है, जांच एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी का दावा है कि उसके अधिकारियों को बुधवार को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। ये जांच अधिकारी राष्ट्रीय राजधानी में एक आरोपी, तीन गिरफ्तार विधायकों के करीबी सहयोगी की संपत्ति पर छापेमारी कर रहे थे। अगर पश्चिम बंगाल की पुलिस ने किसी प्रक्रिया का पालन नहीं किया है, तो यह गलत है, लेकिन अगर प्रक्रिया का पालन हुआ है, तो उसे जांच से रोकना अनुचित है। किसी भी राज्य में किसी भी पुलिस दल को जांच से रोकने के पीछे के तर्क बहुत स्पष्ट होने चाहिए। झारखंड के तीन विधायकों को 31 जुलाई को पश्चिम बंगाल के हावड़ा में 49 लाख रुपये नकद के साथ गिरफ्तार किया गया था। इस मामले के तार पश्चिम बंगाल सीआईडी को असम और दिल्ली से जुड़े नजर आ रहे हैं, तो उसे जांच करने की मंजूरी मिलनी चाहिए। लेकिन जब पश्चिम बंगाल की टीम गुवाहाटी में उतरी, तो उसे परेशानी हुई। दिल्ली में जो बंगाल की टीम पहुंची, उससे शायद एक चूक हुई है। बताया जाता है कि जिस अधिकारी के नाम से जांच की मंजूरी मिली थी, वह अधिकारी जांच की जगह पर मौजूद नहीं था। उसकी जगह पर दूसरे जांचकर्ता जांच कर रहे थे, जिन्हें कथित रूप से जांच से रोक दिया गया। मतलब, यदि किसी राज्य से कोई टीम किसी दूसरे राज्य में जांच के लिए जाती है, तो उसे पूरी तैयारी के साथ जाना चाहिए। हम अच्छी तरह जानते हैं कि किसी सरकारी काम में किस तरह से तकनीकी बहाने बनाए या खड़े किए जाते हैं। जांच के ऐसे मामलों में एक राज्य की पुलिस दूसरे राज्य की पुलिस के साथ ऐसा ही करती दिखती है। क्या ऐसे जांच दल का लक्ष्य कानून की सेवा नहीं है? क्या ऐसे दलों का किसी राजनीतिक दल की सेवा के लिए इस्तेमाल होता है? जांच रोकने-रुकवाने की यह परिपाटी जल्दी खत्म होनी चाहिए, वरना कानूनों का विशेष महत्व नहीं रह जाएगा और अपराधीकरण पूरे देश का खून चूसने लगेगा। संविधान निर्माताओं ने यह कल्पना की थी कि जांच एजेंसियों व पुलिस को स्वतंत्रता के साथ काम करने दिया जाएगा, लेकिन हर बार ऐसा नहीं दिखता है। ऐसा नहीं है कि जांच के काम में बाधा पैदा करने वालों को भविष्य में कोई परेशानी नहीं होगी। संस्था कोई भी हो, सुधरने में वर्षों लगते हैं, लेकिन बिगड़ने में ज्यादा वक्त नहीं लगता। ठीक इसी तरह किसी जांच एजेंसी पर विश्वास पैदा होने में वर्षों लगते हैं, पर किसी जांच एजेंसी की छोटी सी लापरवाही भी उसकी साख को बट्टा लगा देती है। सबसे बड़ी चिंता यह है कि किसी जांच एजेंसी को अगर चंद मिनट के लिए भी रोक दिया जाए, तो मुमकिन है, उसके हाथ से अपराधी हमेशा के लिए निकल जाए। जरूरी है, पुलिस व जांच एजेंसियों की बढ़ रही परेशानी की चिंता उच्च स्तर पर हो, ताकि कहीं भी कोई अपराधी बचने न पाए।

अमेरिका के कारण नहीं है ताइवान संकट

ताइवान की सुरक्षा की जवाबदेही उसके ऊपर आ गई है। चीन की गिद्ध दृष्टि ताइवान पर लगी है। उसे लग रहा है कि रूस ने यूक्रेन पर हमला करके उसके कई इलाकों पर कब्जा कर लिया और उसका युद्ध का मकसद पूरा हो गया। उसे यह भी लग रहा है कि यूक्रेन पर जंग छेड़ने के बाद भी रूस का कुछ नहीं बिगड़ा तो उसका भी कुछ नहीं बिगड़ेगा। इससे उसका हौसला भी बढ़ा है। ध्यान रहे साल के अंत में अक्टूबर या नवंबर में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं कांग्रेस है, जिसमें शी जिनफिंग को फिर से नेता चुना जाएगा। इस कांग्रेस में कई पुराने सदस्य रिटायर हो रहे हैं, जिनकी जगह शी अपने विश्वस्त लोगों को बहाल करेंगे।

पता नहीं देश और दुनिया के भी कूटनीतिक और सामरिक जानकार क्यों यह निष्कर्ष निकाले बैठे हैं कि अमेरिका की वजह से ताइवान मुश्किल में फंस गया है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विद्वानों के लेख देखें या अखबारों की सुर्खियां पढ़ें तो हर जगह यह देखने को मिल रहा है कि अमेरिका और चीन की क्रॉस फायरिंग में ताइवान फंस गया या अमेरिका व चीन की लड़ाई में ताइवान प्यादे की तरह कुर्बान किया जा रहा है या वह प्रॉक्सी वार का शिकार हो रहा है आदि आदि। हो सकता है कि कुछ जानकार ऐसा मानते हों लेकिन बहुत से जानकार ऐसे भी हैं, जो किसी विचारधारात्मक आग्रह की वजह से यह निष्कर्ष निकाल रहे हैं। ऐसे जानकार रूस और यूक्रेन के बीच चल रही जंग में या तो तटस्थ हैं या यूक्रेन का साथ दे रहे हैं। इसका कारण यह है कि उनके पास रूस का समर्थन करने का कोई कारण नहीं है और वे किसी तरह से इस युद्ध के लिए अमेरिका को जिम्मेदार नहीं ठहरा पा रहे हैं। इसके उलट ताइवान के मामले में चीन का बचाव करने की उनके पास वजह है और किसी न किसी तरह से अमेरिका इस मामले में शामिल हो गया है।

लेकिन असल में ताइवान के पूरे संकट में अमेरिका की भूमिका इतनी ही है कि वह बार बार ताइवान का साथ देने का ऐलान करता है। वह चीन की एकाधिकारवादी और विस्तारवादी कूटनीति व सामरिक नीति का विरोध करता है और अपने को लोकतंत्र का रक्षक बताता है। अमेरिकी संसद के निचले सदन की स्पीकर नैंसी पेलोसी की ताइवान यात्रा को टकराव बढ़ाने का तात्कालिक कारण मान सकते हैं लेकिन यह भी संकट का बुनियादी कारण नहीं है। ताइवान संकट का बुनियादी कारण चीन है। आज से नहीं कई दशकों से चीन की नजर ताइवान पर है। सत्तर के दशक में जब चीन और अमेरिका के संबंध मजबूत होने शुरू हुए थे तब भी चीन ने वन चाइना पॉलिसी के तहत ताइवान को अपना अभिन्न अंग बताया था और तब अमेरिका ने इस बात को स्वीकार किया था। अमेरिका के साथ समझौते के समय इसका जिक्र हुआ था और चीन ने कहा था कि वह ताइवान को मेनलैंड चाइना में मिला लेगा और 'वन नेशन टू सिस्टम' की व्यवस्था लागू करेगा। यानी पिछले 50 साल से ज्यादा समय से वह ताइवान को अपना मानता है और अपने देश में मिलाने की सोच रखे हुए है। तब तो अमेरिका भी उसकी इस सोच से सहमत था।

सो, अमेरिका को इस संकट के लिए जिम्मेदार कैसे माना जा सकता है? अमेरिका चुप हो जाए तो क्या ताइवान सुरक्षित हो जाएगा? क्या चीन वहां कोई सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा? ताइवान अगर अमेरिका से दूरी बना ले तो क्या चीन उस पर कब्जा करने का इरादा छोड़ देगा? भारत तो चीन से नहीं लड़ रहा है। उलटे चीन के साथ भारत का कारोबार बढ़ता जा रहा है। इतिहास में पहली बार दोनों देशों का कारोबार सौ अरब डॉलर से ज्यादा का हुआ है, जिसमें भारत को बड़ा व्यापार घाटा हो रहा है। ऊपर से रूस-यूक्रेन युद्ध में भी भारत अमेरिका और यूरोपीय देशों का साथ नहीं दे रहा है। फिर भी चीन कहां भारत को छोड़ रहा है? वह भारत के कितने ही हिस्सों पर नजर गड़ाए हुए है और कब्जा करने के लिए समय का इंतजार कर रहा है। पूर्वी लद्दाख में उसने भारत की जमीन पर कब्जा कर लिया है और अरुणाचल प्रदेश से लेकर सिक्किम तक में अस्थिरता बनाए हुए है। इसलिए ताइवान का चुप रहना या अमेरिका से दूरी बना लेना, उसके बचे रहने की गारंटी नहीं है। यह बात ताइवान को पता है कि देर-सबेर चीन उस पर कब्जा करने का प्रयास करेगा। चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग ने साफ कर दिया है कि वे सैन्य अभियान चला कर ताइवान पर कब्जा करेंगे। ध्यान रहे रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने भी यूक्रेन के पूर्वी हिस्से पर कब्जा करने के लिए छेड़ी गई जंग को विशेष सैन्य अभियान ही कहा है।

असल में चीन काफी अरसे से ताइवान पर कब्जे के प्रयास में लगा हुआ है और इसका अमेरिका से कोई लेना-देना नहीं है। चीन ने पूरे साउथ चाइना सी को अपना सैनिक ठिकाना बना लिया है। उसने ताइवान स्ट्रेट को अपना सैन्य ठिकाना बनाया है। समुद्र में कृत्रिम द्वीप बना कर चीन वहां अपने सैनिक तैनात कर रहा है। यह उसकी विस्तारवादी नीतियों का नतीजा है। इसमें अमेरिका या किसी दूसरे देश का हाथ नहीं है। उलटे अमेरिका की वजह से चीन अपने मकसद में कामयाब नहीं हो पा रहा है। ताइवान को राहत मिले होने के सिर्फ दो कारण हैं। पहला कारण ताइवान का चिप उद्योग यानी सेमीकंडक्टर बनाने का उद्योग है। कंप्यूटर से लेकर कारों और सेटेलाइट तक में इस्तेमाल होने वाले चिप का सबसे बड़ा उत्पादक ताइवान है। ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग कंपनी, टीएसएमसी इसका सबसे बड़ा उत्पादक है। चीन भी चिप के लिए ताइवान पर निर्भर है। इसके अलावा ताइवान की राहत का दूसरा कारण अमेरिका है।

यह कह सकते हैं कि अमेरिका की हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी की यात्रा टकराव बढ़ाने का तात्कालिक कारण बनी है। लेकिन यह भी कोई नई बात नहीं है। पेलोसी पहले भी चीन को उकसाती रही हैं और उसकी नीतियों के खिलाफ बोलती व माहौल बनाती रही हैं। याद करें कैसे 1992 में अमेरिका के संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ वे चीन के दौरे पर गई थीं तो थ्येनआनमन चौक जाकर बैनर लहराया था और चीन सरकार के नरसंहार में मारे गए लोकतंत्र समर्थक युवाओं का समर्थन किया था। इसी तरह पेलोसी 2008 में हाउस स्पीकर के नाते जब भारत के दौरे पर आई थीं तो उन्होंने धर्मशाला जाकर दलाई लामा सहित तिब्बत की निर्वासित सरकार के प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी और बहुत सख्त शब्दों में चीन की दमनकारी नीतियों के विरोध में बयान जारी किया था। इसलिए उनकी ताइवान यात्रा उनकी घोषित नीतियों का ही एक हिस्सा है। उनकी इस यात्रा से विवाद बढ़ा है तो साथ ही अमेरिका की जिम्मेदारी भी बढ़ गई है। ताइवान की सुरक्षा की जवाबदेही उसके ऊपर आ गई है। चीन की गिद्ध दृष्टि ताइवान पर लगी है। उसे लग रहा है कि रूस ने यूक्रेन पर हमला करके उसके कई इलाकों पर कब्जा कर लिया और उसका युद्ध का मकसद पूरा हो गया। उसे यह भी लग रहा है कि यूक्रेन पर जंग छेड़ने के बाद भी रूस का कुछ नहीं बिगड़ा तो उसका भी कुछ नहीं बिगड़ेगा। इससे उसका हौसला भी बढ़ा है। ध्यान रहे साल के अंत में अक्टूबर या नवंबर में चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की 20वीं कांग्रेस है, जिसमें शी जिनफिंग को फिर से नेता चुना जाएगा। इस कांग्रेस में कई पुराने सदस्य रिटायर हो रहे हैं, जिनकी जगह शी अपने विश्वस्त लोगों को बहाल करेंगे। उसके बाद वे ताइवान अभियान तेज कर सकते हैं। ताइवान इस बात को समझ रहा है और तभी वह अमेरिका को पूरे विवाद में शामिल किए रखना चाहता है। कायदे से तो भारत को भी इसमें शामिल होना चाहिए और तिब्बत से लेकर हांगकांग, शिनजियांग प्रांत में होने वाली ज्यादतियों और ताइवान के मसले पर बोलना चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एमआईएम पार्टी का संकल्प टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी को करेंगे मुंब्रा कलवा दिवा शील से मुक्त

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। अक्सर विवादों में रहने वाली टॉरेंट पावर लिमिटेड कंपनी आज फिर अखबार की सुर्खियों में नजर आ रही है दरअसल आपको बताते चलें जब से मुंब्रा कलवा दिवा शील मैं टीपीएल का समावेश हुआ है तब से क्षेत्र जनता बुरी तरह से आहत होती हुई नजर आ रही है हालांकि एमएसईडीसीएल द्वारा टीपीएल को बतौर फ्रेंचाइसी के तौर पर दी गई है लेकिन शहर में जनता की तरफ से आ रही शिकायतें को लेकर एमआईएम ने टीपीएल के विरोध में मोर्चा खोल दिया और संकल्प ले लिया कि जल्द ही वह मुंब्रा कलवा दिवा शील को टोरेंट से मुक्त कराएंगे इस मामले को लेकर दैनिक मुंबई हलचल के पत्रकार अब्दुल समद खान से एमआईएम पार्टी के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष सैफ पठान से हुई बातचीत में उन्होंने बताया कि मेरे कार्यालय में टीपीएल के विरुद्ध में जनता की तरफ से काफी शिकायतें आ रही हैं और मैं देख रहा हूं टीपीएल द्वारा क्षेत्र की जनता को जरूरत से ज्यादा परेशान किया जा रहा है जिसके चलते हम लोगों ने गत 3 अगस्त बुधवार एमएसईडीसीएल के मुख्य कार्यालय में प्रकाशगढ़ ने चीफ इंजीनियर मंदारत्रे जिला आई/सी से मुलाकात की फिर उन्होंने फ्रेंचाइसी वितरण विभाग के मुख्य अधिकारी विजयानंद काले से मीटिंग करवाई जहां हमने हमारी एमआईएम की पूरी टीम के साथ मिलकर

मेमोरेंडम दिया और टीपीएल द्वारा क्षेत्र की जनता के साथ की जा रही ज्यादती के बारे में जानकारी दी और कहां आपकी फ्रेंचाइसी टोरेंट पावर लिमिटेड से क्षेत्र की जनता खुश नहीं है तो उसे हमारे क्षेत्र से निर्लंबित किया जाए और जब तक वह वहां उपस्थित है उनके द्वारा जो नीतियां इस्तेमाल की जा रही है जैसे ग्राहकों पर केस बनाना, या उन पर बिजली चोरी का इल्जाम लगाकर बड़े-बड़े जुमार्ने वसूलना यह नीतियों पर टीपीएल को नियंत्रण करना पड़ेगा उन्होंने बताया जो मेमोरेंडम हमारी एमआईएम पार्टी द्वारा दिया गया है उसके बारे में जानकारी देते हुए बताया (1) टीपीएल द्वारा पीडी का बकाया बिल पिछले 2 वर्षों से 30 वर्षों की जबरन वसूली की जा रही है वह विद्युत अधिनियम एक्ट 2003 के खिलाफ है (2) एमईआरसी की तरफ से एमएसईडीसीएल ने जो 5 मीटर का अप्रूवल किया है मगर टोरेंट पावर सिर्फ अपना मीटर लगा रही है और उसकी भी लैब टेस्टिंग रिपोर्ट नहीं दे रही है जब तक टोरेंट को निर्लंबित नहीं किया जाता वह ग्राहकों को लैब टेस्टिंग रिपोर्ट भी दे और बाकी एप्रूव्ड मीटर भी ग्राहक लगाना चाहे तू लगाने दिया जाए (3) शहर में एमएसईडीसीएल ग्राहकों को जो टोरेंट पावर लिमिटेड केस का डर दिखाकर जबरन काम कर रही है इससे शहर का माहौल और कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है उसे नियंत्रण किया जाए (4) टोरेंट पावर के शहर में आने के बाद क्षेत्र की जनता की शिकायत है कि हमारा बिल पहले की तुलना में 30 से 35% ज्यादा आ रहा है और हमारी कोई भी शिकायत टोरेंट पावर कंपनी में सुनी नहीं जाती है और उल्टा ग्राहकों को पुलिस के डर दिखाया जाता है (5) जो मीटर एमएसईडीसीएल के वक्त फॉल्टी थे उस का हवाला देकर ग्राहकों को मीटर में छेड़छाड़ करने के केस की धमकी दी जा रही है यह तमाम मांगों को लेकर एमएसईडीसीएल के मुख्य अधिकारियों के साथ बैठक की गई एमआईएम के सैफ पठान ने जोरदार अंदाज में कहा इंशाल्लाह एमआईएम का संकल्प है कि बहुत जल्द कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए वह टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी को मुंब्रा कलवा दिवा शील से मुक्त कराएंगे और उन्होंने जनता से निवेदन किया है कि वह भी हमारे साथ दे जिस तरह से अंग्रेजों को हमारे देश हिंदुस्तान से बाहर निकाला गया था हम उसी तरह से मिलकर टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी को बाहर का रास्ता दिखाएंगे एमएसईडीसीएल को मेमोरेंडम देते वक्त एमआईएम पार्टी के कलवा मुंब्रा अध्यक्ष से सैफ पठान, ट्रेजर जावेद सिद्दीकी, लिसान अंसारी, असद पठान, मुशिर शेख नासिर शेख, सरवर खान, शबाब अहमद यह तमाम एमआईएम पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद थे यह मेमोरेंडम एमआईएम पार्टी द्वारा राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य के मुख्य सचिव, महासंचालक महाराष्ट्र राज्य, राज्य मानव अधिकार आयोग,सीईआरसी महाराष्ट्र राज्य, चीफ इंजीनियर एमएसईडीसीएल प्रकाशगढ़, जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त को दिया गया है जिस तरह का संकल्प और पत्र व्यवहार एमआईएम पार्टी द्वारा किया गया है ऐसा व्यतीत होता है मानो जल्द मुंब्रा कलवा दिवा शील टॉरेंट पावर लिमिटेड कंपनी से मुक्त हो जाएगा।

नये सिरे से किये जा रहे हैं शिवसेना को खत्म करने के प्रयास: उद्धव

मुंबई। शिवसेना के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी को पहले भी विभाजित करने के प्रयास किये गये थे, लेकिन इस बार नये सिरे से पार्टी को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। उद्धव ठाकरे ने यहां अपने आवास मातोश्री में पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। दरअसल, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले एक धड़े ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग को लेकर उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र में हालिया

राजनीतिक संकट के मद्देनजर शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट द्वारा दायर याचिकाओं में उठाये गये कुछ संवैधानिक सवालों को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे-नीत प्रतिद्वंद्वी गुट से बुधवार को नये सिरे से जवाब दाखिल करने को कहा। उद्धव ठाकरे ने कहा, पहले, शिवसेना को विभाजित करने के प्रयास किए गए थे लेकिन अब पार्टी को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। ठाकरे स्पष्ट रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे. पी. नड्डा की उन टिप्पणियों का जिक्र कर रहे थे, जिसमें नड्डा ने कहा था कि आने वाले समय में केवल भाजपा जैसी विचारधारा से प्रेरित राजनीतिक दल ही बचेंगे, जबकि परिवारों द्वारा शासित अन्य दल तबाह हो जाएंगे। ठाकरे ने यह भी आरोप लगाया था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा शिवसेना सांसद संजय राउत के आवास पर रविवार को की गई तलाशी पार्टी को खत्म करने की एक 'साजिश' का हिस्सा थी।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

सरकार के साथ बदले राणा दंपति के तेवर!

यह आरोप लगाते हुए मुंबई पुलिस ने कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी करने की मांग की है। पब्लिक प्रोसिक्यूटर ने गुरुवार को स्पेशल कोर्ट में राणा दंपत्ति के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी करने की मांग की। ऐसे में राणा दंपत्ति एक बार फिर अरेस्ट किए जाएंगे क्या? इस मुद्दे को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। इस आवेदन पर राणा दंपत्ति की ओर से कोर्ट में गुरुवार को बहस होनी थी। लेकिन राणा दंपत्ति कोर्ट नहीं पहुंचे और ना ही उनके वकील कोर्ट पहुंचे। इसके बाद सरकारी वकील ने यह दावा किया कि राणा दंपत्ति कोर्ट की प्रक्रिया को लेकर गंभीर नहीं हैं और यह मांग की कि उनके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया जाए। सरकारी वकील ने दावा किया कि राज्य की बदली हुई स्थिति के बाद राणा दंपत्ति न्यायालय की प्रक्रिया को लेकर गंभीर नहीं रह गए हैं। अब उन्हें यह गलतफहमी हो गई है कि उनका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। राणा दंपत्ति के मन में कोर्ट को लेकर कोई सम्मान नहीं रह गया है। मुंबई पुलिस ने नवनीत राणा और रवि राणा को 23 अप्रैल को अरेस्ट किया था। राणा दंपत्ति ने उद्धव ठाकेर के घर मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ पढ़ने की जिद की थी। इसके बाद शिवसैनिक आक्रामक हो गए थे। मुंबई पुलिस ने राणा दंपत्ति को अरेस्ट किया था। मुंबई पुलिस ने धारा 153-अ का इस्तेमाल करते हुए अरेस्ट किया था। समाज में धर्म, प्रांत, भाषा के मुद्दे पर तनाव पैदा करने की कोशिश करने के आरोप में अरेस्ट किया गया था। इसके 14 दिनों बाद उन्हें जमानत मिल गई थी।

शिवसेना में होगा बड़ा फेरबदल!

आदित्य ठाकरे के मुंबई लौटते ही यह खबर एकदम से उछल कर सामने आई है। पिछले ढाई सालों में आदित्य ठाकरे पर्यटन मंत्री, पर्यावरण मंत्री, मुंबई के संरक्षक मंत्री और राजशिष्टाचार मंत्री का दायित्व संभाल रहे थे। मुख्यमंत्री बने रहते हुए जब उद्धव ठाकरे ने लंबी बीमारी के बाद फेसबुक लाइव के माध्यम से जनता से संवाद किया था तब उन्होंने आदित्य ठाकरे की यह कह कर तारीफ की थी कि उनकी बीमारी की हालत में आदित्य ठाकरे ने काफी हद तक उनकी जिम्मेदारियों को हल्का किया। अब शिवसेना के कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों ने यह मांग उठाई है कि शिवसेना के कार्याध्यक्ष के तौर पर आदित्य ठाकरे की जिम्मेदारियां बढ़ाई जाए और तेजस ठाकरे को युवा सेना की कमान सौंपी जाए। तेजस नाम के साथ ठाकरे जुड़ा होना शिवसेना मतदाताओं और कार्यकर्ताओं में एक आकर्षण रखता है। लेकिन तेजस ठाकरे खुद अब तक राजनीति से खुद को दूर ही रखते आए हैं।

संजय राउत ने साथ देने के लिए विपक्षी दलों को कहा शुक्रिया

इसके साथ ही कहा कि इस मुश्किल घड़ी में जब केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर उनके खिलाफ विद्वेषपूर्ण तरीके से कार्यवाही कर रही है, तब सभी पार्टियां और उनके नेताओं ने उनका साथ दिया है। जिसके लिए वह उनके शुक्रगुजार हैं। खबर के मुताबिक, राउत ने यह भी लिखा कि बाला साहेब ठाकरे ने उन्हें सिखाया था कि रोने की बजाय लड़ना ज्यादा बेहतर है। ऐसे मुश्किल समय में जिसने भी हमारे और हमारी पार्टी के पक्ष में संसद के अंदर और बाहर समर्थन दिखाया है, सभी का शुक्रगुजार हूं। राउत ने लिखा कि सभी की दुआओं से वो जल्द जीतकर आएंगे। आपको बता दें कि पत्रा चॉल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संजय राउत के भांडुप स्थित बंगल पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापा मारा था। इस दौरान ईडी ने साढ़े 11 लाख रुपए बरामद किए। इसके बारे में रविवार को 9 घंटों की लंबी पूछताछ के बाद सही जानकारी न मिलने पर राउत को गिरफ्तार किया गया। फिलहाल राउत 8 अगस्त तक कस्टडी में हैं। ईडी की कार्रवाई पर राउत ने कहा था कि वह झुकेंगे नहीं। राउत ने पत्र में साफ लिखा है कि समय और धैर्य सबसे महान योद्धा है।

पुलिस ने धमकी देने के मामले में शिवसेना नेता केदार दिघे को भेजा समन

कपूर के खिलाफ कथित बलात्कार के आरोप में मध्य मुंबई के एनएम जोशी मार्ग पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी और पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। दिघे को कथित आपराधिक धमकी के लिए प्राथमिकी में नामजद किया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि दिघे को जांच में शामिल होने के लिए कहा गया है। दिवंगत शिवसेना नेता आनंद दिघे के भतीजे केदार दिघे को हाल ही में शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने ठाणे जिला इकाई का प्रमुख बनाया था। नरेश म्हस्के, जो पहले इस पद पर थे, शिवसेना के बागी नेता और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खेमे में शामिल हो गए हैं।

शिवगंज में कार्यशाला का समापन विधायक संयम लोढ़ा के आतिथ्य में संपन्न हुआ

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। मॉडर्न डिफेंस स्कूल में आज तीन दिवसीय रैफरी क्लीनिक कार्यशाला 2022 का समापन समारोह स्थानीय विधायक संयम लोढ़ा के आतिथ्य व जिला शिक्षा अधिकारी भंवर सिंह की अध्यक्षता एवं नगर पालिका अध्यक्ष वर्जीगा राम घांची, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी विपिन डाबी की विशिष्ट अतिथि में संपन्न हुआ। मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा के अनुसार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक लोढा ने कहा कि वर्तमान समय राजस्थान में खेलों के लिए स्वर्णिम युग है। राज्य सरकार द्वारा खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए नौकरी में विशेष व्यवस्था के साथ राज्य में खेलों के लिए बजट की कोई कमी नहीं है। साथ ही शारीरिक शिक्षकों को कहा कि आप जो

कार्यशाला से खेल की बारीकियों सीख कर जा रहे हैं उसका प्रचार अपने जिले में करें साथ ही हर बच्चे को किसी न किसी खेल से जोड़ने का प्रयास करें एवं अभिभावकों को भी इसके लिए जागृत करें। खेल से ही व्यक्ति के जीवन का सर्वांगीण विकास होता तथा नेतृत्व के गुणों का विकास होता है। साथ ही सभी शारीरिक शिक्षकों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपने जिले की टीम के साथ पुनः शिवगंज आने का वादा भी करवाया। जिससे इन कार्यशाला की सफलता का मूल्यांकन होगा। विधायक महोदय इस खेलों के लिए सिरोही जिले में स्टेडियम एक अकादमी पर भी प्रकाश डाला। संस्था निदेशक नरेंद्र सिंह राजपूरोहित ने बताया कि रैफरी क्लीनिक में दोनों खेलों में तीन दक्ष प्रशिक्षक सहित कुल 114 संभागीयो ने भाग लिया। तथा तीन दिन तक खेल के नियमों की जानकारी ली एवं अंतिम दिवस परीक्षा का आयोजन करवाया गया। संस्था निदेशक महोदय ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया एवं विधायक महोदय द्वारा तीन दिवस तक इस कार्यशाला में की सफलता के लिए कार्य करने वाले कार्मिक सुमेर सिंह, जबर सिंह, सुदर्शन सिंह, महावीर सिंह, उमेश त्रिवेदी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार, शिक्षक नेता धर्मेन्द्र गहलोत, स्थानीय विद्यालय के शिक्षक चेतन दवे, सुखदेव सिंह, इस्माइल हाडा, ममता खंडेलवाल, संगीता, बाबूलाल, उमेश सहित नगर के शिक्षाविद उपस्थित रहे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

भीलवाड़ा में माहेश्वरी महिला संगठन की जिला व प्रदेश स्तर मणिकर्णिका प्रतियोगिता आयोजित की गई

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी महिला संगठन के द्वारा कौन बनेगी मणिकर्णिका प्रतियोगिता आयोजित की गई।जिला अध्यक्ष सीमा कोगटा और सचिव प्रीति लोहिया के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मनोरमा कालिया और कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष कुंतल तोषनीवाल तथा प्रदेश सचिव अनिला अजमेरा थी। मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि कौन बनेगी मणिकर्णिका 2022 प्रतियोगिता का आयोजन जिला स्तर और तत्पश्चात प्रदेश स्तर पर किया गया। प्रतियोगिता के प्रभारी चेतना जागेटिया और शारदा महेश्वरी के अनुसार 8 प्रतिभागियों ने अत्यंत जोश के साथ प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें 4 स्तरीय अपनी प्रतिभा दिखाने के राउंड हुए जिसमें अपना परिचय वीररस पर विशेष, अननोन सिचुएशन पर स्पीच, प्रतिभा का प्रदर्शन आदि प्रतिभागियों में गजल जागेटिया भीलवाड़ा, पायल नकलक भीलवाड़ा, यशोदा मंडोवरा हमीरगढ़, अदिति बिड़ला भीलवाड़ा, अर्चना चेचानी चित्तौड़गढ़, इंदिरा झंवर मांडलगढ़, प्रिया न्याति भीलवाड़ा तथा दीपशिखा शारदा भीलवाड़ा से थी। निर्णायक गण के रूप में कंचन देवी गर्ल्स कॉलेज की डायरेक्टर शिखा भदादा तथा अग्रवाल महिला मंडल की संरक्षिका रूपा परसरामपुरिया थी।

महिला संगठन मीडिया प्रभारी मीनू झवर के अनुसार जिला में प्रदेश स्तर के मणिकर्णिका आयोजन में जिला स्तर पर गजल जागेटिया प्रथम, यशोदा मंडोवरा द्वितीय तथा पायल नकलक तृतीय स्थान पर विजेता रही। प्रदेश स्तर पर गजल जागेटिया ने प्रथम तथा यशोदा मंडोवरा ने द्वितीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम का संचालन चेतना जागेटिया ने किया। कार्यक्रम के अंतर्गत इंदिरा हेड़ा, संजू डाड, राजश्री डाड, उर्मिला अजमेरा, अनु मोदी, इंदिरा झंवर, राज राठी, स्नेहलता तोषनीवाल, सीमा बिड़ला, सुधा कोगटा, निर्मला बल्दुआ, सुनीता बल्दुआ; राखी राठी, निर्मला बाहेती, सरिता झंवर, सुमन सोनी, ममता नुवाल, मधु लड्ढा, मीना बांगड़, दिव्या कालिया, आदि सदस्याओं का सहयोग रहा। उक्त जानकारी पत्रकार मीनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

रजनी हिनल खूबचंदानी इंटरनेशनल लेवल पर इंडिया व भारतीय कल्चर को रिप्रेजेंट करेंगी

मॉडल रजनी हिनल खूबचंदानी अब इंटरनेशनल लेवल पर परफर्मेंस करने के लिए तैयार हैं, जिसके लिए उनका सेलेक्शन हुआ है। वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एशिया का प्रतिनिधित्व करेंगी। हाल ही में गोवा में आयोजित गोवा फैशन काउचर वीक में रजनी हिनल खूबचंदानी को क्राउन पहनाया गया क्योंकि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को रिप्रेजेंट करने जा रही हैं। गोवा फैशन काउचर वीक में सेलेब्रिटी गेस्ट के रूप में मौजूद रही रूपल मोहता (मिसेज इंडिया यूनिवर्स) ने बताया कि रजनी हिनल खूबचंदानी क्लासिक कैटगरी में आगे जा रही हैं। वह इंटरनेशनल लेवल पर भारतवर्ष और भारतीय सभ्यता संस्कृति को प्रेजेंट करेंगी। कहा जाता है कि एज इज जस्ट ए नम्बर, इसी बात की जीती जागती मिसाल हैं रजनी हिनल खूबचंदानी। वह इस समय 51 साल की हैं और उम्र के इस पड़ाव पे अगर वह इस तरह के प्लेटफार्म पर आती हैं, तो बहुत बड़ी उपलब्धि है साथ ही दूसरों के लिए भी एक प्रेरणा हैं। वह काफी अच्छा कर रही हैं और आगे भी कुछ बड़ा करेंगी। रजनी हिनल खूबचंदानी अंतरराष्ट्रीय सतह पर इस तरह अपने देश को रिप्रेजेंट करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। उनकी आंखों में एक आत्मविश्वास झलकता है और कामयाबी हासिल करने का जुनून भी नजर आता है। रूपल मोहता ने आगे बताया कि गोवा फैशन काउचर वीक बहुत ही सफल और अच्छा रहा। काफी बड़े लेवल के यहाँ डिजाइनर्स आए। इसमे काफी हाईट वाली मॉडल्स भी देखने मे आई। आपको बता दें कि 'गोवा फैशन काँउचर वीक - सीजन वन' का भव्य आयोजन अमनदीप कौर और साहेब आलम द्वारा किया गया। यह मस्ती भरा कार्यक्रम गोवा के मापुसा में अनंत्या बैंक्वेट में आयोजित किया गया, जिसमें ढेर सारे सेलिब्रिटी गेस्ट्स मौजूद रहे।

हजरत बाबा फरीद का कुल शरीफ मनाया

बरेली। शाहजहांपुर रोड परसौना स्थित दरगाह हजरत सय्यद गौहर अली अलमारूफ भीटा शाह बाबा रह. पर दरगाह इन्तिजामिया कमेटी की जानिब से पीरि तरीकत हजरत शाह मोहम्मद वसीम मियां चिश्ती साबरी की सरपरस्ती में शैखुल इस्लाम हजरत बाबा फरीदउद्दीन मसऊद गन्जेशकर रह. के 780 वें उर्स का एक रोजा कुल शरीफ बड़ी ही अकीदतो मोहब्बत के साथ मनाया गया। जिसमें नातो मनकबत का नजराना पेश किया गया। हजरत इमाम हुसैन और हजरत बाबा फरीद की शान बयान की गई। दरगाह इन्तिजामिया कमेटी के सचिव मोहम्मद रिजवान साबरी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन और हजरत बाबा फरीद ने हमेशा इन्सानियत का पैगाम दिया है। कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। पीरे तरीकत हजरत शाह मोहम्मद वसीम मियां चिश्ती साबरी ने मुल्क में अमन चैन के लिए दुआ की। इस मौके पर नदीम साबरी, तारिस साबरी, आकि ब साबरी, नसरत साबरी, आसिफ बेग साबरी, रफी साबरी, मोईन बेग साबरी, रिजवान खां साबरी आदि लोग मौजूद रहे।

फुलिया खुर्द में खुशी परियोजना द्वारा विश्व स्तनपान जागरुकता सप्ताह मनाया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले की शाहपुरा ब्लॉक की फुलिया खुर्द में हिंदुस्तान जिंक, केयर इंडिया महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वाधान में संचालित खुशी परियोजना के अंतर्गत शाहपुरा ब्लॉक की ग्राम पंचायत फुलिया खुर्द के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आज विश्व स्तनपान जागरूकता दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य बनवीर सिंह राठौड़ मुख्य अतिथि सी एच ओ प्रदीप शर्मा व विशिष्ट अथिति युवराज रेगर रहे कार्यक्रम की शुरूआत में दीप प्रज्वलित किया गया फील्ड मॉनिटर युवराज रेगर द्वारा सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया व खुशी परियोजना की जानकारी दी गई कलस्टर समन्वयक रघुवीर प्रसाद शर्मा द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी पुरुष प्रतिभागियों के साथ स्तनपान में सहयोग हेतु विस्तार से चर्चा की गई जिसमें स्तनपान को लेकर पुरुषो की जिमेदारी से अवगत करवाते हुए समाज में व्याप्त अंधविश्वास को खत्म करने का प्रयास किया गया ओर

समझाया गया कि बच्चो की देखभाल करने की जितनी जिमेदारी महिलाओ की होती है उतनी ही जिमेदारी पुरुषों की भी होती है किंतु महिलाये घर के काम काज में व्यस्त रहने एवं अन्य सदस्यों का सहयोग नहीं मिलने के कारण बच्चो की पूरी तरह देखभाल नही कर पाती है इस वजह से बच्चे प्रारंभ से ही कमजोर हो जाते है और पुरुष बोलते है कि बच्चों को रखने की जिमेदारी हमारी नही है इस बात का अहसास करवाते हुए बताया गया कि बच्चों को रखने की जितनी जिमेदारी माताओ की होती है उतनी ही जिमेदारी पुरुषो की भी होती है और बताया गया कि आप उनके कार्य मे सहयोग करे और स्तनपान करवाने में सहयोग करवाये व स्तनपान करवाने वाली माताओ के पोषण का ध्यान रखते हुए उन्हें प्रोत्साहित करे कलस्टर समन्वयक हंसा शर्मा द्वारा प्रारम्भ में सभी प्रतिभागियों का पंजीयन किया गया! कार्यक्रम के अंत में कलस्टर समन्वय लक्ष्मण बीरम व दिनेश शर्मा द्वारा सभी को धन्यवाद दे कर अल्पाहार वितरण किया गया इस मौके पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तारा सोनी व सुरेखा सोनी सहायिका मंजू वैष्णव एवं आशा सहयोगिनी सुगना नायक व गाँव के सभी लोग उपस्थित। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

कांग्रेस पार्टी के द्वारा महंगाई, बेरोजगारी, जी एस टी, अग्निपथ योजना के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के आह्वान पर तथा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमिटी समस्तीपुर के तत्वाधान में महगाई, बेरोजगारी, अग्निपथ योजना तथा आवश्यक वस्तुओं पर जी०एस०टी० के खिलाफ राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन के तहत एक दिवसीय आन्दोलन का कार्यक्रम किया। इसके तहत एक जुलुस जिला कांग्रेस कमिटी कार्यालय से निकल कर विभिन्न मार्गों से होते हुए मगरदही घाट गोलंबर पर पहुंचा जहाँ सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया गया। इसमें आम जनों का भी सहयोग प्राप्त हुआ। जुलुस का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मो० अबू तमीम ने किया। इस जुलुस में बड़ी संख्या में कांग्रेस जनों ने भाग लिया। लोग विभिन्न माँगों से सम्बंधित नारे लगा रहे थे। जुलुस में अन्य लोगों के आलावे बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के पूर्व महासचिव राम कलेवर प्रसाद सिंह, जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष सत्य नारायण सिंह, देवेन्द्र नारायण झा, विशेश्वर राय, सरोज कुमार सिंह, राम उदगार महतो, जिला के महासचिव सतीश चन्द्र चौधरी आदि लोग भी शामिल थे।

वसई में कजरी महोत्सव

वसई। संस्कार भारती प्रतिष्ठान के सचिव अखिलेश चन्द्र मिश्रा ने बताया कि दिनांक 11-०८-२०२२ गुरुवार समय शाम 5.30 बजे से 9 बजे तक संस्कार भारती प्रतिष्ठान व अभियान मुंबई के सयुक्त रूप से प्रस्तुत कार्यक्रम - कजरी महोत्सव (सावन की रिमझिम लोकगीतों की बहार) का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम कि प्रस्तुति करेंगी सुश्री सुनिता पाठक कजरी गायिका, बलिया उत्तरप्रदेश। कार्यक्रम के आयोजक है - अखिलेश मिश्रा सचिव संस्कार भारती प्रतिष्ठान मुख्य अतिथि - अमरजीत मिश्रा (पूर्व राज्यमंत्री, महाराष्ट्र सरकार, राजन नाईक (जिला अध्यक्ष भाजपा वसई विरार व श्री शेखर धुरी (भाजपा. वसई विधान सभा प्रमुख। आप सभी कजरी प्रेमी सादर आमंत्रित है।

नवनियुक्त भीमगंज थाना प्रभारी विक्रम सेवावत का व्यापारिक संगठन के सदस्यों ने स्वागत किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। गत दिवस एसपी आदर्श सिद्धू द्वारा भीलवाड़ा के भीमगंज थानाप्रभारी मूलचंद वर्मा का तबादला थाना बीगोद करने एवं साथ ही वर्मा के तबादले से रिक्त हुए पद पर पुलिस लाइन से विक्रम सेवावत को भीमगंज थाना प्रभारी लगाया था। नवनियुक्त भीमगंज थानाप्रभारी विक्रम सेवावत ने पदभार ग्रहण किया, जिस पर व्यापारिक संगठन के सदस्यों ने नवनियुक्त भीमगंज थाना प्रभारी विक्रम सेवावत का शॉल ओढाकर व रुद्राक्ष की माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान विनोद झुरानी, राजेश माखीजा, पंकज आडवाणी, नाका रामसिंघानीया, मनीष सबदानी, संदीप जाजू आदि मौजूद थे। उक्त जानकारी पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

शाहपुरा में बारिश के बीच आदर्श विद्या मंदिर के छात्र – छात्राओं ने तिरंगा यात्रा निकाली

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा कस्बे के आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय के छात्र छात्राओं ने आज महलों के चोक से तिरंगा यात्रा निकाली तिरंगा यात्रा बालाजी की छतरी सदर बाजार, नया बाजार होते हुए चमना बावड़ी त्रिमूर्ति चौराहा से जैसे ही बस स्टैंड पहुंची उसी समय बारिश भी आना शुरू हो गई पर आदर्श विद्या मंदिर के छात्र छात्राओं का देशभक्ति का जज्बा इतना था की बारिश में भी यात्रा को आगे बढ़ाया तिरंगा यात्रा महलों के चोक से शुरू हो कर विद्यालय परिसर पहुंच कर समाप्त हुई तिरंगा यात्रा का जगह- जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया छात्र-छात्राओं में देशभक्ति का जज्बा इतना था कि भारी बारिश में भी देश भक्ति गगनभेदी नारे लगाते हुए तिरंगा यात्रा को आगे बढ़ाते रहें वहीं थाना अधिकारी घनश्याम देवड़ा छात्र छात्राओं के जज्बे को देखते हुए अपने जवानों के साथ बारिश में भीगते हुए मुस्तैदी के साथ आगे नजर आए। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार मोनू छीपा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कानपुर में सकुशल मोहर्रम के लिए कटिबद्ध पुलिस कमिश्नर जोगदंड की नेतृत्व कुशलता

थानों चौकियों में भी बैठकों का दौर जारी, बीती 3 जून को सांप्रदायिक हिंसा के शिकार हो चुके अतिसंवेदनशील कानपुर में कम चिनौती पूर्ण नहीं ईद, बकरीद और मुहर्रम जैसे किसी भी त्योहार को सकुशल शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां बीती 3 जून को हुई हिंसा का शिकार हो चुके उत्तर प्रदेश के इस संवेदनशील महानगर में कमिश्नरेट पुलिस द्वारा आगामी मोहर्रम के त्यौहार को सकुशल और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने की हर संभव तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके लिए विजय सिंह मीणा के बाद यहां के नए पुलिस कमिश्नर बनाये गये वरिष्ठ आईपीएस एडीजी बीपी जोगदंड वह सभी आवश्यक तैयारियां करवा रहे हैं, जिससे मोहर्रम के चुनौतीपूर्ण त्यौहार को शांतिपूर्ण और सकुशल तरीके से संपन्न कराया जा सके। लोकहित के मद्देनजर कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में सफल नेतृत्व कुशलता वाले कानपुर के नये पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड इसके लिए अपने मातहतों को आवश्यक आदेश निर्देश भी लगातार दे रहे हैं। विभागीय सूत्रों की नजर में जहां तक देश प्रदेश के कर्तव्यनिष्ठ और ईमानदार आईपीएस अधिकारियों में से एक निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के तेजतर्रार, व्यवहार कुशल तथा कठोर परिश्रमी वरिष्ठ आईपीएस एडीजी बीपी जोगदंड की पुलिस कमिश्नर कानपुर के रूप में उनकी चुनौतीपूर्ण नियुक्ति का सवाल है, उसे उनकी कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में अपराधियों के खिलाफ और पीड़ितों के हित में अपने कर्तव्य का पालन सदैव निष्ठा और ईमानदारी के साथ करना ही माना जा रहा है। यही नहीं भारतीय पुलिस सेवा में आने के बाद उनके अबतक

के जुझारू कार्यकाल के विवेचन से यह भी पता चलता है कि हालात चाहे जैसे रहे हों लेकिन शांति तथा कानून व्यवस्था के खिलाफ हर स्तर की अनुचित सिफारिशों को जूते की नोक पर मारने के लिए भी चर्चित और अपनी अबतक की जुझारू नौकरी के कार्यकाल में सैकड़ों सफेदपाश माफिया अपराधियों को भी भरपूर सबक सिखा चुके वरिष्ठ आईपीएस एडीजी बीपी जोगदंड ने अपनी कर्तव्य के प्रति निष्ठा और ईमानदारी के साथ समझौता आज तक नहीं किया। इसी आधार पर विभागीय सूत्रों का दावा है कि 28 अक्टूबर 1963 को महाराष्ट्र के लातूर में शरीर धारण कर मुंबई व दिल्ली में बीटेक मैकेनिकल, पीजीडीएम, एमबीए तक की शिक्षा के बाद 1991 में भारतीय पुलिस सेवा नियुक्ति के दौरान विभिन्न जनपदों में एसपी, एसएसपी के साथ ही डी आई जी रेंज और आई जी जोन के रूप में अपनी सफल सराहनीय सेवा और लोक हित वाली अपनी कार्य शैली और उपलब्धियों के फलस्वरूप कई मेडलों के भी यशस्वी धारक अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और पीड़ितों की तत्काल सहायता के लिए भी चर्चित निर्दोष फंसे नहीं और दोषी बचे नहीं जैसी लोकहित की प्रबल विचारधारा वाले बेहद कर्मठ और ईमानदार कानपुर के नए पुलिस कमिश्नर बनाए जाने से पहले 9 अक्टूबर 2009 से लेकर फरवरी 2010 तक कानपुर के सफल डीआईजी एसएसपी भी रह चुके वरिष्ठ आईपीएस एडीजी भागीरथ प्रसाद जोगदंड की विवेकशीलता, उनकी दूरदर्शिता, उनकी व्यवहार कुशलता और उनकी कर्मठता पूर्ण कुशल नेतृत्व क्षमता मोहर्रम के चुनौतीपूर्ण त्योहार को कुशल शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराकर ही दम लेगी।

भू माफियाओं को चिन्हित करने में उत्तराखंड पुलिस की मदद करेगी मोदी आर्मी : अभिषेक सुंद्रियाल

अवैध निर्माण कार्यों पर चलेगा बुल्डोजर : राजीव अहूजा

संवाददाता/फहीम अहमद राज

हरिद्वार। उत्तराखंड पुलिस द्वारा चलाए जा रहे भू माफियाओं को चिन्हित करने में अब भारतीय मोदी आर्मी भी उत्तराखंड पुलिस की सहायता करेगी, इसके लिए बाकायदा भारतीय मोदी आर्मी उत्तराखंड राज्य के भू माफियाओं के खिलाफ एक प्लान तैयार कर रही है, संभवत अगले हफ्ते अपने हरियाणा प्रदेश के दौरे के बाद भारतीय मोदी आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजीव अहूजा इस संबंध में देहरादून में जल्दी ही भारतीय मोदी आर्मी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की एक आवश्यक बैठक लेंगे और उसमें भू माफियाओं के खिलाफ एक खाका तैयार कर डीजीपी को सौंपेंगे। सीधे यह कहा जाए कि भारतीय मोदी आर्मी के द्वारा भी भू माफियाओं को चिन्हित कर सरकार का साथ देने का काम किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार उत्तराखंड में सरकारी और निजी भूमि व भवनों पर अवैध कब्जा करने के अलावा प्रॉपर्टी बेचने में धोखाधड़ी करने वाले भू माफियाओं की अब खैर नहीं है। इसके लिए भारतीय मोदी आर्मी ने तैयारी शुरू कर दी है और उत्तराखंड की भाजपा सरकार का साथ देने का ऐलान किया है, इस सहयोग से उत्तराखंड पुलिस को पूरी मदद मिलने की संभावना है इस बारे में जब भारतीय मोदी आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ राजीव अहूजा और प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक सुंद्रियाल जी से दूरभाष पर बात हुई तो उन्होंने इस बात को स्वीकार किया और कहा जिन लोगों की जमीनों और मकानों पर भू माफियाओं ने अवैध कब्जा कर अपना साम्राज्य स्थापित किया हुआ है उनके विरुद्ध पुलिस का सहयोग करते हुए अभियान चलाएंगे और असली वारिसों को उनका हक सौंपेंगे बताया गया है कि इसी साल के शुरू से उत्तराखंड की राजधानी देहरादून हरिद्वार उधमसिंह नगर नैनीताल जैसे तमाम जनपदों में सबसे ज्यादा सरकारी और निजी भूमि और प्रॉपर्टी को भू माफियाओं द्वारा कबजाए जाने की शिकायतें भारतीय मोदी आर्मी के सामने आई थी शायद पुलिस के एक्शन प्लान के बाद ही भारतीय मोदी आर्मी भी असली मालिकों के पक्ष में उतर आई है।

बुलढाणा नगर पालिका प्रशासन बना भक्षक

नाली का गंदा पानी बह रहा सड़कों पर, वार्डवासी परेशान

बुलढाणा। बुलढाणा नगर पालिका प्रशासन हर महीने स्वच्छता पर लाखों रुपए खर्च कर रहा है। इसके बावजूद भी नागरिकों को सुविधा मिलना तो दूर उनकी बुनियादी जरूरते भी पूरी नहीं हो पा रही है। बुलढाणा नगर प्रशासन की लापरवाही के कारण शहर के इकबाल नगर में नालियों की लंबे समय से सफाई न होने के कारण नालिया गंदगी से बजबजा रही हैं। ओवर फ्लो होने के चलते नालियों का पानी सड़क पर बह रहा है। जिससे कॉलोनी के लोगों सहित आमजन को रास्ते से गुजरना दूभर हो रहा है। सड़कों का गद्दा पानी फैलने से कीचड़ के साथ जहरीली मच्छर भी पनप रहे है। जिस से तरह-तरह की बीमारियां फैलने का अंदेशा बना हुआ है। वार्ड वासियों ने बताया है कि जब से शहर की

स्वच्छता की पदभार नगर प्रशासक ने संभाला तब से ही शहर की स्वच्छता लड़खड़ा गई। साफ-सफाई को लेकर बुलढाणा नगर प्रशासन मुस्लिम बहुल इलाकों से सौतेला व्यवहार कर रही है। जबकि शहर के कुछ वार्ड में नियमित रूप से साफ सफाई हो रही है।

वंदे गौ मातरम परिवार कार्यकारिणी का किया विस्तार

संवाददाता सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। प्रदेश नेतृत्व के निदेशानुसार वंदे गौ मातरम परिवार के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सारस्वत ने अपनी बीकानेर जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए वंदे गौ मातरम परिवार में, पवन नाई को डूंगरगढ़ तहसील अध्यक्ष, पुखराज जाट को जिला महामंत्री नियुक्त किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

विटामिन ई के 12 फेस पैक, पिंपल्स से लेकर स्किन व्हाइटिंग के लिए करें इस्तेमाल

बेदाग व निखरी त्वचा पाने के लिए लड़कियां फेशियल, ब्यूटी ट्रीटमेंट और ना जाने क्या-क्या करती है। मगर फेशियल, स्किन केयर प्रॉडक्ट्स या क्रीमों की बजाए आप विटामिन ई कैप्सूल से सभी स्किन प्रॉब्लम को दूर कर सकती हैं। इससे आपको बिना किसी साइड इफैक्ट के ग्लोइंग व बेदाग त्वचा मिल जाएगी।

विटामिन-ई का केप्सूल - विटामिन ई केप्सूल की मदद से आप खूबसूरत निखार पा सकते है। इसका चेहरे पर कोई साइड इफैक्ट भी नहीं है। यह केप्सूट मार्कीट में किसी भी मेडिकल स्टोर से आसानी से मिल जाता है। एक हफ्ते तक इस कैप्सून का इस्तेमाल करने से आपके चेहरे पर गजब का निखार आएगा।

स्किन व्हाइटनिंग के लिए लेमन-विटामिन मास्क

2 टेबलस्पून नींबू का रस और विटामिन ई के 2 कैप्सूल मिलाकर 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। इससे आपके चेहरे पर निखार आएगा और स्किन प्रॉब्लम्स भी दूर हो जाएगी।

डार्क सर्कल्स दूर करने के लिए विटामिन मास्क

1 चम्मच बादाम तेल में एक विटामिन ए कैप्सूल मिलाएं। इस मिक्सचर से रोजाना रात को सोने से पहले अंडर आई एरिया की मसाज करें। आपको एक ही हफ्ते में इसका रिजल्ट दिखने लगेगा।

एक्ने के लिए दही-विटामिन मास्क

2 कैप्सूल विटामिन ई ऑयल में 2 टेबलस्पून दही, 1 टेबलस्पून नींबू का रस और कुछ बूंदें गुलाबजल की मिलाकर चेहरे पर 15 मिनट तक लगाएं। फिर पानी से चेहरा साफ कर लें। इससे ना सिर्फ एक्ने की समस्या दूर होगी बल्कि यह चेहरे पर निखार भी लाएगा।

झुर्रियों के लिए चंदन-विटामिन फेस मास्क

2 विटामिन कैप्सूल ऑयल में 2 टेबलस्पून चंदन पाउडर, 1 टेबलस्पून दूध और कुछ बूंदे गुलाबजल की मिक्स करें। इसे कुछ देर चेहरे पर लगाने के बाद सकुर्लेशन मोशन में मसाज करते हुए पानी से चेहरा साफ करें। नियमित रूप से ऐसा करने पर आपको फर्क दिखने लगेगा।

ग्लोइंग स्किन के लिए पपीता-विटामिन फेस मास्क

निखरी हुई त्वचा पाने के लिए 2 विटामिन ई कैप्सूल ऑयल में आधे पपीते का पल्प और 1 टेबलस्पून शहद मिलाकर 10-15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। इसके बाद गुनगुने पानी से चेहरा साफ करें।

स्किन प्रॉब्लम्स के लिए शहद-विटामिन मास्क

एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर शहद को विटामिन ई कैप्सूल में मिलाकर लगाने से आपको दोगुना फायदा मिलेगा। यह फेस मास्क स्किन को माइश्चराइज करके सभी समस्याओं को दूर करता है। इसके लिए 1 विटामिन ई कैप्सूल ऑयल में 1 टेबलस्पून शहद मिलाकर लगाएं। फिर सकुर्लेशन मोशन में मसाज करते हुए पानी से चेहरा साफ कर लें।

डेड स्किन के लिए स्ट्रॉबेरी-विटामिन मास्क

विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर यह फेस मास्क भी सभी ब्यूटी प्रॉब्लम्स दूर करने में मदद करता है। इसके लिए स्ट्रॉबेरी पल्प, 1 टेबलस्पून शहद और 1 विटामिन ई कैप्सूल को मिलाकर 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। फिर मसाज करते हुए पानी से चेहरा धो लें। इससे डेड स्किन भी निकल जाएगी और चेहरे पर निखार भी आएगा।

ड्राई स्किन के लिए मिल्क-विटामिन फेस मास्क

2 विटामिन ई कैप्सूल में 2 टेबलस्पून शहद और 2 टेबलस्पून दूध मिलाकर चेहरे पर 30 मिनट तक लगाएं। फिर पानी से चेहरा साफ कर लें। हफ्ते में 3 बार इस मास्क का इस्तेमाल करने से आपकी ड्राई स्किन की परेशानी दूर हो जाएगी।

होंठों के लिए विटामिन लिप बाम

सर्दियों के दिनों में फटे होठों की समस्या आम देखने को मिलती है। ऐसे में इससे छुटकारा पाने के लिए अपने लिप बाम में विटामिन ई मिलाकर इस्तेमाल करें। इससे आपके होंठ ड्राई नहीं होंगे और वह फटेंगे भी नहीं।

एलोवेरा व विटामिन ई फेस मास्क

चेहरे को स्मूद और सॉफ्ट बनाने के लिए विटामिन ई के 1 कैप्सूल में 1/2 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर 2 मिनट मसाज करें। इसे हर रात सोने से पहले लगाएं। अगर ये सॉल्यूशन आपको चिपचिपा लगे तो आप इसे दिन में भी लगा सकती हैं।

डैमेज स्किन के लिए आलिव ऑयल-विटामिन मास्क

यह फैस मास्क डैमेज के सही करने के साथ-साथ झुर्रियों, ब्लैकहैड्स जैसी समस्याएं भी दूर करता है। इसके लिए 2 टेबलस्पून में आलिव ऑयल 1 विटामिन ई कैप्सूल ऑयल मिक्स करके चेहरे की मसाज करें और फिर इसे कुछ देर के लिए छोड़ दें। इसके बाद गुनगुने पानी से चेहरा साफ करें।

मजबूत बालों के लिए अंडा-विटामिन मास्क

बालों को चमकदार, मुलायम और घने बनाने के लिए हफ्ते में एक बार विटामिन ए की दो कैप्सूल में 3 टेबल्स्पून दही मिलाकर अच्छे से फेंटकर बालों और स्कैल्प पर लगाएं। आप चाहे तो दही की बजाए नारियल या बादाम तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

आंवला सिर्फ बालों के लिए ही नहीं, इन 10 प्रॉब्लम्स के लिए भी है वरदान

आंवला असरदार प्राचीन हर्बल दवाओं में से एक है। आंवले का इस्तेमाल प्राचीन काल से बीमारियों के इलाज और ब्युटी के लिए किया जाता रहा है। आंवला में विटामिन सी, कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, विटामिन बी, फाइबर और काबोर्हाइड्रेट जैसे तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इसका स्वाद कसेला और थोडा खट्टा मीठा होता है। इसका आचार व मीठा मुरब्बा भी बनाया जाता है। यह सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आइए जानते हैं कि आंवला खाने से क्या-क्या फायदे होते हैं।

बालो के लिए फायदेमंद - बालों की नेचुरल चमक के लिए आंवला फायदेमंद होता है इसके अलावा बालों की सफेदी की प्रॉब्लम को कम करने के लिए और झड़ते बालों के इलाज के लिए आंवला असरदार साबित होता है। अगर आपके बाल बेहद सूखे और पतले हैं तो रोजाना बाल धोने से पहले आंवला के तेल से अच्छी तरह मालिश करें। आंवले का तेल बालों के लिए एक बेहतरीन कंडीशनर का काम करता है। इससे बाल काले, घने और चमकदार बनते हैं।

आंखो की रोशनी बढ़ाने में सहायक - आंवला आंखो के लिए वरदान है। इसमें मौजूद तत्व आंखों की रोशनी को सालों-साल तक बनाए रखते हैं। सुबह खाली पेट आंवले का रस पीने से आंखो की रोशनी जल्दी कम नहीं होती। रोजाना एक चम्मच आंवला के पाउडर को शहद के साथ लेने से लाभ मिलता है और मोतियाबिंद की समस्या भी खत्म हो जाती है।

डायबिटीज में आंवला होगा असरदार - अगर आप डायबिटीज के मरीज हैं तो आंवला आपके लिए बहुत काम की चीज है। डायबिटीज से जुझ रहा व्यक्ति अगर आंवले के रस का सेवन शहद के साथ करता है तो उसे अपनी बीमारी से बहुत राहत मिलती है।

एसिडिटी होगी दूर - आंवले का रस आप बाहर से खरीद भी सकते हैं या आवलों को पीसकर आंवले का ताजा रस भी निकाल सकते हैं। एसिडिटी से राहत पाने के लिए खाली पेट आंवला का रस पीएं। इसका लगातार सेवन करने से आप एसिडिटी की दिक्कत से मुक्त हो सकते हैं। दो तीन टुकड़ा ताजा आंवला खाने से आप आसानी से पेट की सारी समस्याओं से राहत पा सकते हैं।

पथरी में कारगर - स्टोन होने पर आंवले का सेवन करना चाहिए। आंवला का चूर्ण मूली के साथ खाने से गुर्दे की पथरी निकल जाती है। इसमें अलबूमीन और सोडियम क्लोराइड बहुत ही कम मात्रा में पाया जाता है जिनकी वजह से इन्हें गुर्दे की पथरी के उपचार के लिए बहुत ही उत्तम माना जाता है। इसलिए गुर्दे की पथरी होने पर आंवले का सेवन कीजिए।

ब्लड की कमी - रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी होने पर, रोज आंवले के रस का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। यह शरीर में लाल रक्त कोशिकाओं के बनने में मदद करता है, और खून की कमी नहीं होने देता।

बुखार - बुखार से छुटकारा पाने के लिए आंवले के रस में छौंक लगाकर इसका सेवन करना चाहिए, इसके अलावा दांतों में दर्द और कैविटी होने पर आंवले के रस में थोड़ा सा कपूर मिला कर मसूड़ों पर लगाने से आराम मिलता है।

शरीर की गर्मी करें कम - शरीर में गर्मी बढ़ जाने पर आंवला सबसे बेहतर उपाय है। आंवले के रस का सेवन या आंवले को किसी भी रूप में खाने पर यह ठंडक प्रदान करता है। हिचकी तथा उल्टी होने पर आंवले के रस को मिश्री के साथ दिन में दो-तीन बार सेवन करने से काफी राहत मिलेगी।

मेमोरी पावर बढ़ाएं - अगर आप भी कोई चीज रखकर अक्सर भूल जाते हैं तो आंवला आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। आंवला याददाश्त बढ़ाने में काफी मददगार होता है। इसके लिए सुबह के समय आंवला के मुरब्बा गाय के दूध के साथ लेने से लाभ होता है, इसके अलावा आप प्रतिदिन आंवले के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।

स्किन की खूबसूरती बढ़ाता है

अगर आप नेचुरल तरीके से चेहरे के दाग-धब्बों को हटाना चाहती हैं तो आंवले का सेवन करना शुरू कर दें। आंवले का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने से स्किन साफ, चमकदार होती है और झुर्रियां भी कम हो जाती हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आमिर खान ने आलिया भट्ट और अनन्या पांडे को भी दी मात

टीवी रियलिटी शो का सबसे चर्चित शो कॉफी विथ करण इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रहा हैं। कॉफी विथ करण के सातवे सीजन में कई सारे सेलिब्रिटी अब तक दस्तक दे दी हैं। और सेलेब्स के कई राज और कंट्रोवर्सी भी सामने आए। जिससे सुनने के बाद कुछ की तो तारीफ भी हुई लेकिन कई सेलेब्स को ट्रॉल्लिंग का शिकार भी होना पड़ा। वही 'कॉफी विद करण' के छठवें एपिसोड में आमिर खान और करीना कपूर अपनी फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' को प्रमोट करने के लिए पहुंचे। इस दौरान आमिर और करीना ने अपनी निजी जिंदगी के अलावा प्रोफेशनल जिंदगी से भी जुड़े कई राज खोले। वही आमिर और करीना का ये एपिसोड कही ज्यादा दिलचस्प भी था। जहां दोनों एक्टर एक्ट्रेस में बॉलीवुड की भी कई कही। लेकिन इस एपिसोड में करण जौहर और करीना कपूर आमिर खान पर भरी पड़ते दिखे। दरअसल रैपिड फायर राउंड के दौरान करण जौहर ने आमिर खान से कई आसान सवाल किए लेकिन बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट करण के बेहद ही आसान सवालों का जवाब भी नहीं दे पाए। आमिर का जवाब सुनकर करीना और करण दोनों ही अपनी हंसी नहीं रोक पाए। आमिर और करण जौहर का यह रैपिड फायर राउंड काफी मजेदार रहा। दरअसल रैपिड फायर राउंड के दौरान करण जौहर ने आमिर से क्रिकेट से जुड़ा सवाल पूछा कि भारतीय क्रिकेट से जुड़े तीन क्रिकेटर के नाम बताइये। इस पर आमिर ने जवाब देते हुए रोहित शर्मा की जगह रोहित शेट्टी का नाम ले लिया। इसके बाद अब करण जौहर ने आमिर से अक्षय कुमार की दो फिल्मों का नाम पूछा तो इसका भी एक्टर ने गलत जवाब दिया।

...इस तारीख को शादी के बंधन में बंधेंगे ऋचा चड्ढा और अली फजल

ऋचा चड्ढा और अली फजल की जोड़ी से तो सभी वाकिफ ही होंगे। अक्सर दोनों को कई फिल्मों में भी एक साथ देखा गया हैं। साथ ही दोनों के अफेयर की खबरे भी लम्बे समय से सामने आ रही हैं। साथ ही कुछ समय पहले खबर ये भी आई थी की दोनों जल्द ही शादी के बंधन में भी बंधने वाले हैं। वही अब इनकी शादी की खबर को लेकर सोशल मीडिया पर एक बार फिर से चर्चाए तेज हो गयी हैं,और कहा जा रहा हैं की ये दोनों कपल इसी साल सितंबर के महीने में शादी रचाने वाले हैं। हालांकि अब खबर में कितनी सच्चाई हैं जानते हैं इस रिपोर्ट में। दरअसल ऋचा चड्ढा अली फजल से सितंबर 2022 में शादी करने वाली हैं' इस बात की जानकारी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है' यह भी कहा जा रहा है कि दोनों शादी के बाद मुंबई और दिल्ली में एक भव्य रिसेप्शन का आयोजन करने वाले हैं' वही ऋचा चड्ढा और अली फजल की दोस्ती पहली बार 2012 में आई फिल्म फुकरे के सेट पर हुई थी।

दीपिका को एक और बड़ी फिल्म का मिला ऑफर

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इंडस्ट्री की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेस में से एक है। मॉडलिंग से अपने करियर की शुरूआत करने वाली दीपिका सफलता की उन ऊंचाइयों पर पहुंच चुकी है कि हर बड़ा ड़ॉयरेक्टर उनको अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहता है। दीपिका पादुकोण ने अपने फिल्मी करियर में कई सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया है। इसी बीच दीपिका को एक और बड़ी फिल्म का ऑफर मिला है, जिसमें वह साउथ के सुपरस्टार के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आ सकती है। एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों अपने काम और कई प्रोजेक्ट के चलते काफी बिजी चल रही हैं। दीपिका के पास इस वक्त फिल्मों की कोई कमी नहीं है। एक्ट्रेस के पास फिल्मों की लंबी लाइन लगी हुई हैं। दीपिका ने कई फिल्में साइन की हुई है और साथ ही एक साथ कई फिल्मों की शूटिंग भी कर रही है। इसी के बीच खबर आ रही है कि दीपिका को एक और बड़ी फिल्म का ऑफर दिया गया है। दीपिका पादुकोण को फिल्म 'इंडियन 2' के लिए अप्रोच किया गया है। इस फिल्म में साउथ के सुपरस्टार कमल हसन नजर आने वाले है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो, इस महीने के आखिर तक फिल्म 'इंडियन 2' की शूटिंग शुरू हो सकती है। इस फिल्म को एस शंकर डायरेक्ट कर रहे है। कई कारणों की वजह से इस फिल्म की शूटिंग लंबे समय से टलती आ रही है, लेकिन अब माना जा रहा है कि जल्द ही कमल हसन की इस फिल्म की शूटिंग शुरू होने वाली है। इस फिल्म के लिए दीपिका पादुकोण को अप्रोच किया गया है।